त्रिदिवसीय थर्ड इण्डियन सोशियल वर्क कॉग्रेंस का उद्घाटन

किसान, मजदूर एवं दलित वर्ग का उत्थान समाज कार्य का मुख्य अंग–अरूणा रॉय

लाडनूं 24 अक्टूबर

जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग एवं राष्ट्रीय व्यवसायिक समाज कार्यकर्ता संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में त्रिदिवसीय थर्ड इण्डियन सोशियल वर्क काग्रेंस का उद्घाटन शुक्रवार को विश्वविद्यालय के एसडी घोडावत ऑडिटोरियम में समारोह पूर्वक हुआ। समारोह की मुख्य अतिथि देश की प्रख्यात समाजसेविका रमन मैग्सेसे अवार्ड विजेता अरूणा रॉय ने देश–विदेश से समागत समाज कार्य विभाग के विद्वानों को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश की शिक्षा में आमूल चूल परिवर्तन की अपेक्षा है। उन्होनें कहा कि सदभावपूर्ण शिक्षा से ही देश एवं समाज का भला हो सकता है। मूल्यों से प्रेरित शिक्षा को समाज का आधार बताते हुए उन्होनें सामाजिक क्रांति के लिए सूचना के अधिकार को अधिक से अधिक विस्तार करने का आह्वान किया। इस अवसर पर उन्होनें मजदूर किसान शक्ति संगठन का परिचय देते हुए किसान, मजदूर एवं दलित वर्ग के उत्थान को समाजकार्य का मुख्य अंग बताया। इस अवसर पर उन्होनें भारतीय राजनीति पर कटाक्ष करते हुए कहा कि देश की संपदा जनता की है जरूरत है कि जनता जागरूक होकर अपने अधिकारों के प्रति सजग बने। उन्होनें देश में बढ रही मंहगाई पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि देश के लोगों में केवल वोट डालने की प्रवृति नहीं होनी चाहिए, देश की समस्याओं के प्रति गंभीर होकर समाधान खोजने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि वर्तमान मे भौतिक वातावरण में रहते हुए भी व्यक्ति मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं है तो शिक्षा को परिष्कृत करने की जरूरत है। उन्होनें कहा कि भारतीय समाज की समस्याओं के लिये हमें देश में ही समाधान खोजने पडेगे। उन्होनें समाज सेवा को जीवन का विशिष्ट उपक्रम बताते हुए शिक्षा के साथ मानवीय मूल्यों को जोडनें का आह्वान क्यिा। कुलपति ने करूणा, दया व क्षमा को भारतीय शिक्षा का मूल बताते हुए विश्व में व्याप्त सभी समस्याओं का समाधान बताया।

समारोह के मुख्य वक्ता दिल्ली के डॉ राजेश टण्डन ने समाज कार्य विभाग के विविध कार्यो की मीमांसा करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ अध्यात्म आज को जरूरत है, उन्होने कहा कि आज शिक्षा समाज में नैतिक वातावरण को बनाने के असक्षम नजर आ रही है, ऐसे में नैतिक एवं अध्यात्म से प्रेरित शिक्षा ही देश के विकास में उपयोगी हो सकती है। राष्ट्रीय व्यवसायिक समाज कार्यकर्ता संघ के राष्ट्रीय

अध्यक्ष संजय भट्ट ने कांग्रेस के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए संघ द्वारा किये जा रहे कार्यो को रेखांकित किया। इस अवसर पर मंच पर जैन विश्वभारती के अध्यक्ष डॉ धर्मचन्द लूकड भी उपस्थित थे।

इससे पूर्व समाज कार्य विभाग के अध्यक्ष एवं कांग्रस के संयोजक प्रो आरबीएस वर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए आयोजकीय पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का शुभारम्भ समणीवृन्द द्वारा प्रस्तुत मंगलसंगान से हुआ। इस अवसर पर जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के संस्थान गीत का संगान किया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ जितेन्द्र कुमार वर्मा ने किया एवं आभार ज्ञापन संघ के सचिव प्रो सुरेश पठारे ने किया। अतिथियों का स्वागत धर्मचन्द लूंकड, प्रमोद बैद, शांतिलाल गोलछा, रमेश चन्द्र बोहरा, प्रो आनन्दप्रकाश त्रिपाठी आदि ने किया। इस कॉग्रेंस में 28 राज्यों के 400 से भी अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे है।

स्मारिका का हुआ विमोचन- इस अवसर पर कांग्रेस द्वारा प्रकाशित स्मारिका का विमोचन मुख्य अतिथि अरूणा रॉय एवं कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा सहित उपस्थित अतिथियों द्वारा किया गया। स्मारिका में देश-विदेश के विद्वानों द्वारा त्रिदिवसीय सेमीनार में प्रस्तुत किये जाने वाले शोध पत्रों को शामिल किया गया है।

लाइफ टाईम अचीवमेन्ट अवार्ड प्रदान- इस अवसर पर राष्ट्रीय व्यवसायिक समाज कार्यकर्ता संघ द्वारा प्रतिवर्ष देश विदेश के विद्वानों को दिये जाने वाले लाईफ टाईप अवार्ड प्रदान किये गये। जिसमें प्रो एच वाई सिद्दकी, प्रो आर आर सिंह, प्रो वेंकट पुला, प्रो एलेक्स गोनसॉलवेज व श्रीगणेशन को मुख्य अतिथि अरूणा रॉय द्वारा अवार्ड प्रदान किये गये। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्तर पर दिये जाने वाले मार्था फरेल फाउण्डेशन स्कॉलरशिप अवार्ड अखिला एवं प्रभात भारतीय को दिये गये। इस त्रिदिवसीय आयोजन में समाज कार्य से जुडे विभिन्न मुद्दों पर व्यापक चर्चा होगी।

- डॉ वीरेन्द्र भाटी मंगल,
समन्वयक- जनसम्पर्क,
जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय, लाडनूं